

धर्मज्ञानकृतयानितजिहः गंधधूयससूलासलजिहः ननसासिदसवल
 वलजिहः ॥ ११ ॥ मद्यसईदहिनादिनद्यार्थः सत्यधमनयसूदिनद्यार्थः दि
 यवादिनववादिनद्यार्थः ननसासिदसवलवलद्यार्थः ॥ १२ ॥ गीवगीवदसगी
 वसगीवः रयाकिहिर्यनवगीवसगीवः हमवहमनिगीवसगीवः ननसासि
 दसवलवलगीव ॥ १३ ॥ सिंहमयाहिमकूदलकायः ध्यानकायगुनताम
 लकायः अगिहलकूननिमलकायः ननसासिदसवलवलकाय ॥ १४
 ॥ सगलकहलिर्नपिनहर्कः निलविनहलिर्नपिनहर्कः कयवहसूरु (अहि

न हर्षं ॥ न नमामिदसवलवल हर्षं ॥ १५ ॥ ह म ना ग क ल कृ क वा हः पृथक्
नवलल ॥ अहिगवाह धिर्य विद्यसुम नाहलवाहः न नमामिदसवलवल वाह ॥ १
७ ॥ वामल चक्रविभु विगहर्षः वेमल कमल यै क र हर्षः ह न य ग स ल ना ग
र हर्षः न नमामिदसवलवल हर्षं ॥ १८ ॥ ला ग ध ख ग नू व त्रि न वि हः भ ६
ल ह न सु म हा वि वि हः क प क नि सु म ना ह ल वि हः न नमामिदसवलवल
वि हः ॥ १७ ॥ य म ना ह अ ह ॥ अहिगना हः य अ था नि स र नि मेल ना हः ७६
क्र ज्ञा ह न सु र ॥ अहिगना हः न नमामिदसवलवल ना हः ॥ १५ ॥ ल

क न च क वि भु वि न या दः ॥ अ कृ स स ल नि मि ला त्रि न या दः ॥ ना ग र र ग
न व दि न या दः ॥ न नमामिदसवलवल या दः ॥ २० ॥ ह म क वा द नि ला त्रि
न या दः ॥ द व दान ब गू ला त्रि न या दः ॥ सर्व दे व ग लू व दि न या दः ॥ न नमामिद
सवलवल या दः ॥ २१ ॥ सर्व दे व स न य त्रि न शी र्षः ॥ स र्वा क नि स म हा वि न शी र्ष
दि व काला क लि न यि क शी र्षः ॥ न नमामिदसवलवल शी र्षः ॥ २२ ॥ यस्य धृ
य न व य त्रि न शी र्षः ॥ दि व ग न ग न व शी र्षः ॥ मा ल व न ग व य त्रि न शी र्षः ॥ न नम
मि द स व ल व ल शी र्षः ॥ १३ ॥ श्री कृ व न ध म स्या मि ति कृ व य ग न स क लाः ॥ सु य नि न

वनलङ्कृतमकुतादियुक्तिर्नयैवयमित्येवमयकथनं नृणां हृदयसु
रुचलाख्यानि ॥ २५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ हस्तस्य मुखस्य चतुर्गुणसमाका ॥
कुं नमो लोकनाथया ॥ मुखाय नमो भगवते ॥ २ ॥ सखाः सस्युनर्वदवदना रुजयते
नयैः सर्वरुहानमकुताः धृक्कमदिम ॥ ३ ॥ नयामि बलहृदि स्तुतुं नमो ॥ ४ ॥
॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ हस्तस्य मुखस्य चतुर्गुणसमाका ॥
सलं विधुलं मधूलं च वा ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ मा
लाधलंकनकलत्रविभूतिना ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

लधलायसुव नृव नृः नयप्रयासि सुदृष्टान् नमामि ॥ ३ ॥ लं लोकना
थमवलाकिनामधयैः यज्ञयवित्तभदयैः बलकं नृलपुत्रं नृः नयप्रयासि ॥
नृति सर्वकृते नमामि ॥ ४ ॥ लं लोकनाथसि बलहाखितसुवसत्वाः सैः सलयेः कलि
मिलानवर्मनसत्वाः ॥ ५ ॥ लोकनाथस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नयप्रयासि बलमात्र
ददं नमामि ॥ ७ ॥ गलाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नयप्रयासि बलमात्र
ललहंसैः यना लकिसकलदः खविना भयनिः नयप्रयासि नल कं निहर्मन
मामि ॥ ९ ॥ सैः सलयेः नयप्रयासि बलमात्र ॥ १० ॥ नयप्रयासि बलमात्र ॥ ११ ॥

धिन्न ह्यक्रमजिन विष्मिदकलालयलसखिकं उं स किमिन्नयूज, धिन्नयनीः
 लतिवाली ॥ ४ ॥ उन्नसिम्माप्रव्यहिगहाप्रयतश्चतवलकलाक, तदिधिवयीतः
 निवियनी, नाऊसिस्सकनविवाके ॥ ५ ॥ विगलिगवसुनं वविहीतवसन, यदयऊवन
 मयिधन किं गलयस्य नयकऊनयन, तिधिमिद्वर्षनिधानं ॥ ६ ॥ हविन्नहिमानीयः
 ऊनिविदानीमियमयियातिविनाम, कून्ममवचनं सखवचनं वून्मयमध्वियूकामः
 ॥ ७ ॥ ग्राऊयदवकूतहविस्वरु, तियवमचम वाय प्रमुदिगद्धदयं हविस्सदय

नमो सुकृतकमनाय ॥६॥ सवत २६६॥ वसंतलाग ॥४॥ नी कू जा हा न
 नरु वडा का नरु खडा सा याव साग नः ३ ~~ला~~ खड्ड
 खडा न स न द डा सखी बुम डा दख्य खाडा नः ॥१॥ वाती
 ता हा का सा नया ताका खा नसा के ला सित ला कः नस
 ना कि दा रु वडा क रे ना ही था क ५१ य म गा क ॥२॥ म

नी कू मा नका रवा त न व ता न श ता ता ता कू नलम
 यी खा ननु त के डू न श ती न वा न वा लम वा न
 ॥३॥ कय नी गा व वा स द ना य व नी द वा य ता स्र वा य
 न द या का य ग था द डू य ता य ता य न न डू का य ॥४॥ रु
 व स मान सा था न जा ना का सखा वा न व स या सा न वा
 स व या श गू री हा था न वा न सा वा था हा ना ॥५॥ मिसा रा वा
 बल सी रा व क र हा ५१ या म रा क डू ता ती ला व व र स र व म द ता गी
 गा व न नी व स रु ॥६॥

